Department :- Ayurved Samhita & Siddhant

Topic :- बौद्ध दर्शन

दर्शन परिचय

- **दर्शन शब्द की व्युत्पत्ति**

  दृश् (धातु) + ल्युट् (प्रत्यय)

- **दर्शन का निरुक्ति**

  दृश्यते अनेन इति दर्शनम् ।

  दृश्यते यथार्थतत्वमनेनेति। (शास्त्रम्)

भारतीय दर्शन

आस्तिक दर्शन	नास्तिक दर्शन
• अस्ति ईश्वरः वा परलोक इत्येवं मतिर्यस्य स आस्तिकः • जो वेदानुकूल विचारधारा वाले हैं	• नास्ति ईश्वरः वा परलोक इत्येवं मतिर्यस्य स नास्तिकः • जो वेद के प्रतिकूल विचारधारा वाले हैं

भारतीय दर्शन

आस्तिक दर्शन
मीमांसा दर्शन
वेदांत दर्शन
वैशेषिक दर्शन
न्याय दर्शन
सांख्य दर्शन
योग दर्शन

नास्तिक दर्शन
जैन दर्शन
बौद्ध दर्शन
चार्वाक दर्शन

बौद्ध दर्शन परिचय

- **प्रवर्तक** कपिलवस्तु नरेश शुद्धोदन के सुपुत्र सिद्धार्थ (बोध प्राप्ति बाद गौतम बुद्ध)
- **काल** (ई. पू. 523 - वैशाख शुक्ल पूर्णिमा ई. पू. 438)
- **महाभिनिष्क्रमण**
- **आर्यपर्यवेक्षणा काल**
- **संबोधि काल**
- **धर्मचक्र प्रवर्तन** (**सारनाथ**, सर्वप्रथम पांच भिक्षुओं को उपदेश)
- गौतम बुद्ध के जनकल्याण उपदेशों की भाषा मागधी थी।

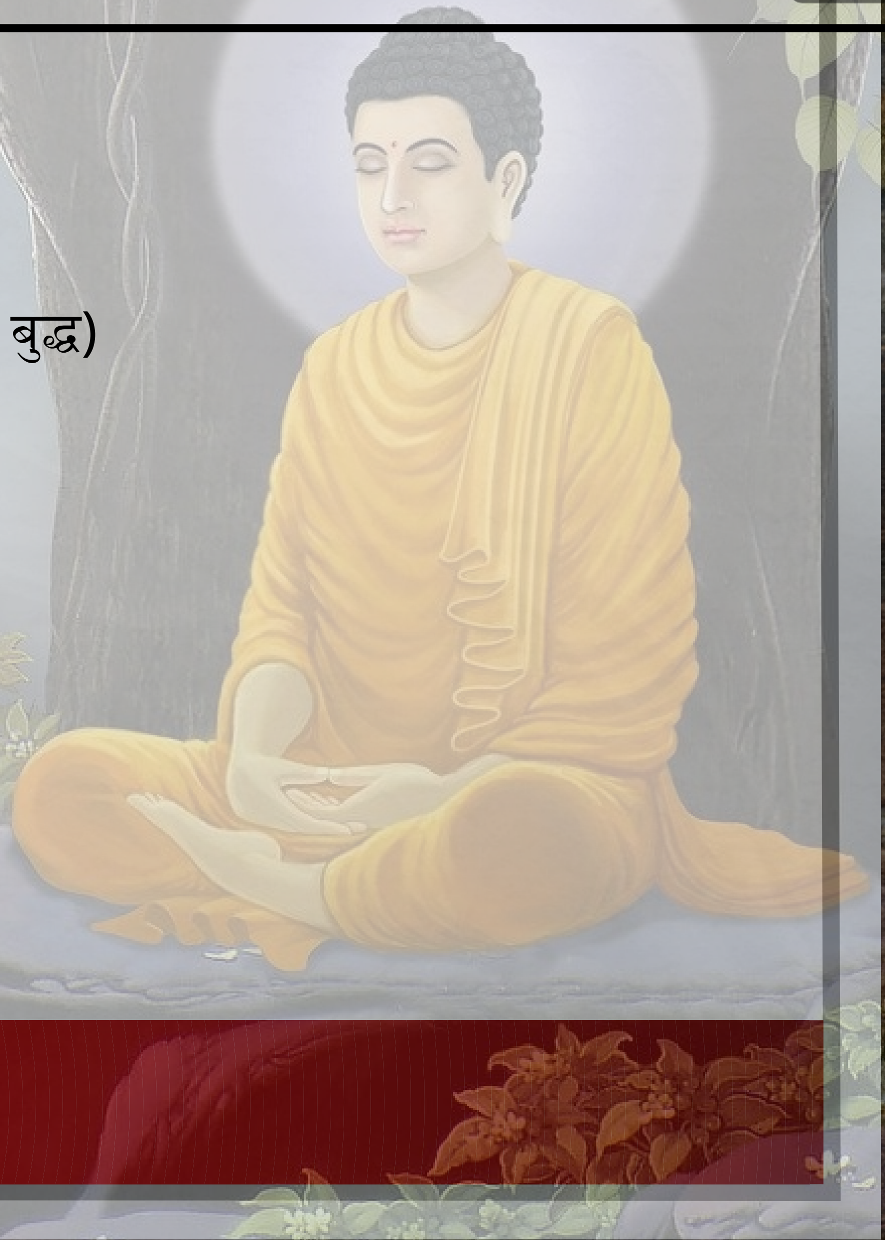

बौद्ध दर्शन परिचय

- **त्रिपिटक**

बुद्ध के उपदेशों को त्रिपिटक में संग्रहीत किया गया है जिसकी मूल भाषा पालि है।

1. विनय पिटक – धार्मिक अनुशासन, भिक्षु जीवन नियम
2. सुत्त पिटक – बुद्ध के सुत्त/व्याख्यान, वार्ता-संवाद के रूप में
3. अभिधम्म पिटक – मनोवैज्ञानिक नीतिशास्त्र का प्रतिपादन व प्रकरणवश अध्यात्म विद्या व दर्शन शास्त्र का भी प्रतिपादन

बौद्ध दर्शन परिचय

- बौद्ध धर्म
  - हीनयान सम्प्रदाय
    - वैभाषिक
      - बाह्य जगत की सत्ता स्वीकार करता है, किन्तु उसे प्रत्यक्ष व क्षणभंगुर मानता है।
    - सौत्रान्तिक
      - बाह्य जगत की सत्ता स्वीकार करता है, किन्तु प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञेय न मानकर अनुमान द्वारा ज्ञेय मानता है।
  - महायान सम्प्रदाय
    - माध्यमिक
      - **शून्यवाद**
        सर्वं शून्यम्
        शून्य को परम तत्त्व माना है
    - योगाचार
      - **विज्ञानवाद**
        बाह्य जगत की सत्ता को स्वीकार नहीं करता

बौद्ध दर्शन परिचय

- आर्य सत्य
  - दु:ख
    - सर्वं दु:खम्
  - दु:ख समुदय:
    - प्रतीत्यसमुत्पाद, 12 निदान
      (जन्म-जरा-मरण, जाति, भव, उपादान, तृष्णा, वेदना, स्पर्श, षडायतन, नामरूप, विज्ञान, संस्कार, अविद्या)
  - दु:ख निरोध
  - दु:ख निरोध मार्ग
    - अष्टाङ्गिक मार्ग (सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक्, सम्यक् कर्मान्त, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि)

प्रमुख सिद्धांत

- **क्षणभंगुरवाद**

सर्वक्षणिकं क्षणिकम्। सर्वम् अनित्यम्।

प्रत्येक वस्तु एक क्षण में उत्पन्न, दूसरे क्षण में स्थित रहती है और तीसरे क्षण में विनाश हो जाता है।

प्रमुख सिद्धांत

- **प्रतीत्यसमुत्पाद**

  प्रतीत्य (किसी वस्तु की प्राप्ति होने पर) + समुत्पाद (अन्य वस्तु की उत्पत्ति)

  अर्थात् किसी वस्तु की प्राप्ति होने पर अन्य वस्तु की उत्पत्ति।

- **प्रमाण**

  दो प्रमाण माने गये हैं

  1. प्रत्यक्ष – कल्पना तथा भ्रांतिशून्य ज्ञान
  2. अनुमान – स्वार्थानुमान तथा परार्थानुमान

प्रमुख सिद्धांत

- **अनातमवाद**

शाश्वत आत्मा को सत्य नहीं माना अनित्य आत्मा को सत्य माना है।

सर्वम् अनात्मकम्

आत्मा व भौतिक जगत दोनों की ही व्याख्या होती है।

बौद्ध दार्शनिक **नागसेन –** आत्मा को 5 स्कन्धों का संघात माना है (रूप, वेदना, संज्ञा, संस्कार और विज्ञान)

प्रमुख सिद्धांत

- ‘दुःख का मूल तृष्णा है
- दुःख निरोध हेतु आष्टाङ्गिक मार्ग (सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक्, सम्यक् कर्मान्त, सम्यक् आजीविका, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति, सम्यक् समाधि)

बौद्ध दर्शन के सिद्धांतों का आयुर्वेद पर प्रभाव

- बौद्ध दर्शन में दो प्रमाण माने गये हैं और आयुर्वेद में भी विबुध के लिए दो परीक्षा बताई गयी हैं – प्रत्यक्ष व अनुमान
- पुनर्जन्म
- कर्मफल – कर्मज व्याधि
- दुःख निवृत्ति - *सर्वं दुःखम्* - *आतुरस्य विकारप्रशमनम्, विकारो दुःखमेव च*
- निरात्मवाद पक्ष का उल्लेख चरकसंहिता शारीरस्थान १/४६-४७ तथा निरात्मवाद का खंडन भी मिलता है (च. शा. १/४८-५१)।

धन्यवाद